आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
बुधवार 14.01.2026
समय 07.20

मुख्य समाचार :–

- केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल ने भारतीय वन्यजीव संस्थान, देहरादून में राष्ट्रीय नदी अनुसंधान केंद्र के लोकार्पण किया। कहा– नदियों की स्वच्छता और जलीय जैवविविधता का संरक्षण देश की राष्ट्रीय प्राथमिकता।
- मुख्यमंत्री ने चम्पावत ज़िले के लिए एक सौ सत्तर करोड़ रुपए की विभिन्न परियोजनाओं का लोकापर्ण और शिलान्यास किया।
- राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने कहा– युवाओं के सामर्थ्य से भारत विकसित राष्ट्र और विश्वगुरु बनेगा।
- उत्तरकाशी का प्रसिद्ध माघ मेला आज से शुरू।

जलीय जैवविविधता संरक्षण

केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल ने कहा है कि नदियों की स्वच्छता और जलीय जैवविविधता का संरक्षण देश की राष्ट्रीय प्राथमिकता है। देहरादून स्थित भारतीय वन्यजीव संस्थान परिसर में राष्ट्रीय नदी अनुसंधान केंद्र के लोकार्पण के अवसर श्री पाटिल ने यह बात कही।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह अनुसंधान केंद्र नदियों और मीठे पानी के पारिस्थितिकी तंत्र से जुड़े वैज्ञानिक शोध को मजबूती देगा और नदी संरक्षण से जुड़े राष्ट्रीय प्रयासों को आगे बढ़ाएगा। उन्होंने गंगा नदी को भारत की सांस्कृतिक, पारिस्थितिक और आर्थिक जीवनरेखा बताते हुए कहा कि इस केंद्र से शुरू हुए प्रयास देश की सिमटती जैवविविधता के सुरक्षित भविष्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री ने गंगा भवन का भी लोकार्पण किया और संस्थान की प्रयोगशालाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान गंगा सभागार में आयोजित संवाद कार्यक्रम में गंगा संरक्षण, जलीय जैवविविधता, सामुदायिक सहभागिता और आजीविका आधारित संरक्षण मॉडलों पर चर्चा की गई।

कार्यक्रम के दौरान गंगा नदी में जलीय जीवों के संरक्षण के लिए डॉल्फिन रेस्क्यू वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया और 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधरोपण भी किया गया।

लोकार्पण और शिलान्यास

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने चम्पावत ज़िले के लिये एक सौ सत्तर करोड़ रुपए की विभिन्न परियोजनाओं का लोकापर्ण और शिलान्यास किया। उन्होंने ज़िले में बाढ़ सुरक्षा कार्य, मंदिरों के सौंदर्यीकरण, पूर्णागिरि मेला 2026 के संचालन के लिए धनराशि, सड़कों के डामरीकरण, जिला चिकित्सालय में सुविधाओं के विस्तार, सहित क्षेत्र के लिये विभिन्न घोषणाएं कीं।

श्री धामी ने माता रणकोची मंदिर में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम में क्षेत्रीय जनता से सीधा संवाद भी किया। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य जनसंवाद के माध्यम से जनसमस्याओं का समाधान करना और पात्र लोगों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है।

उत्तरायणी कौतिक

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उधमसिंह नगर ज़िले के खटीमा स्थित बीज निगम परिसर में कुमाऊँ सांस्कृतिक उत्थान मंच द्वारा आयोजित उत्तरायणी कौतिक का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने पर्वतीय विकास भवन के निर्माण की घोषणा करते हुए जिलाधिकारी को भूमि चिन्हित करने के निर्देश दिए। उन्होंने उत्तरायणी मेले को कैलेंडर में शामिल कर आर्थिक सहायता देने और समिति के अनुरोध पर मंच निर्माण की भी घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मकर संक्रांति और उत्तरायणी पर्व हमारी संस्कृति, आस्था और जीवन दर्शन का प्रतीक है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से नई पीढ़ी अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ रही है, जो बेहद सुखद है। उन्होंने कहा कि बदलते समय में अपनी पहचान और सांस्कृतिक विरासत को बचाए रखना जरूरी है और इस दिशा में ऐसे आयोजन महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

सीएम शुभकामनाएं

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेशवासियों को मकर संक्रांति पर्व की शुभकामनाएं दी है। अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने समस्त प्रदेशवासियों के सुख, शांति, समृद्धि के साथ उत्तम स्वास्थ्य की कामना की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मकर संक्रांति का पर्व देश के विभिन्न हिस्सों में अलग–अलग नामों और परंपराओं के साथ मनाया जाता है, जो भारतीय संस्कृति की विविधता और एकता का प्रतीक हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पर्व सूर्य देव की आराधना, ऋतु परिवर्तन और प्रकृति के साथ सामंजस्य का संदेश देता है। मकर संक्रांति का त्योहार जीवन में सकारात्मक सोच के साथ निरंतर कर्म के पथ पर अग्रसर रहने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि उत्तरायणी पर्व उत्तराखंड की सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण अंग है, जो सामाजिक समरसता, लोक परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को सुदृढ़ करता है।

माघ मेला

उत्तरकाशी का प्रसिद्ध धार्मिक आयोजन माघ मेले का आज दोपहर में शुभारंभ होगा। आज ब्रहम मुहूर्त से ही मर्णिकर्णिका घाट पर स्नान के लिए ढोल बाजों और देव डोलियों के साथ गांव–गांव से लोगों का पहुंचना शुरू हो गया है। जिला पंचायत, नगर पालिका और जिला प्रशासन ने गंगा घाटों पर अलाव की व्यवस्था की है और धार्मिक संगठनों ने गंगा स्नान करने वाले श्रद्धालुओं के लिए चाय की व्यवस्था की है। आठ दिनों तक यह मेला आयोजित किया जाए। जिला प्रशासन के अनुसार दोहपर में मेले का शुभारंभ कंडार देवता की डोली और हरी महाराज का ढोल रिब्बन काटकर करेगा और इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी मौजूद रहेंगे।

धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व के इस मेले की धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यह मेला महाभारत काल से जुड़ा है।

माघ मेले का पौराणिक नाम बाड़ाहाट कू थौलू है। बाड़ाहाट का अर्थ बड़ा हाट यानी बड़ा बाजार है। बाड़ाहाट में आजादी से पहले तिब्बत के व्यापारी सेंधा नमक, ऊन, सोना जड़ी–बूटी, गाय, घोड़े बेचने के लिए आते थे। उस समय यह मेला एक माह तक चलता था। तिब्बत के व्यापारी यहां से धान, गेहूं लेकर वापस लौटते थे। यह भी उल्लेख मिलता है कि उत्तरकाशी का माघ मेला कभी राजशाही के नियंत्रण में था। राजशाही के समय माघ मेले में तिब्बत से आने वाले व्यापारियों का हिसाब–किताब रखने के लिए रियासत से मालगुजार भेजे जाते थे और अंतिम मालगुजार मुखवा गांव के पंडित विद्यादत्त सेमवाल थे।

युवा संवाद कार्यक्रम

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने कहा है कि युवाओं के सामर्थ्य से भारत विकसित राष्ट्र और विश्वगुरु बनेगा। उन्होंने देहरादून स्थित लोक भवन में आयोजित युवा संवाद कार्यक्रम 'विकसित भारत 2047' के दौरान विद्यार्थियों से बातचीत करते हुए यह बात कही।

राज्यपाल ने विद्यार्थियों द्वारा विकसित भारत 2047 को लेकर प्रस्तुत किए गए विचारों और संकल्पों की सराहना करते हुए कहा कि युवाओं ने जिस परिपक्वता और स्पष्टता के साथ अपने विचार रखे हैं, उससे यह स्पष्ट होता है कि भारत का भविष्य मजबूत हाथों में है।

राज्यपाल ने कहा कि बड़े लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए निरंतर प्रयास, अतिरिक्त परिश्रम और दृढ़ संकल्प आवश्यक है। उन्होंने युवाओं से बड़े सपने देखने और उन्हें साकार करने के लिए पूरी निष्ठा और मेहनत से कार्य करने का आह्वान किया।

नैनो सक्षम तकनीक विकास

आईआईटी रुड़की के वैज्ञानिकों ने जल से विषैले प्लास्टिक प्रदूषकों को हटाने के लिए नैनो सक्षम तकनीक विकसित की है। इस तकनीक के माध्यम से प्लास्टिक से निकलने वाले हानिकारक रसायन फ़्थेलेट्स को पानी से अलग किया जा सकता है। यह शोध अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिका एसीएस ईएस एंड टी वॉटर में प्रकाशित हुआ है। एक रिपोर्ट–

शोध में पाया गया कि विशेष रूप से डिजाइन किए गए नैनोफॉस्फेट कण प्रदूषकों को विघटित करने वाले जीवाणुओं को सक्रिय करते हैं, जिससे कुछ ही घंटों में फ़्थेलेट्स को हटाया जा सकता है। फ़्थेलेट्स आमतौर पर नदियों, भूजल और अपशिष्ट जल में पाए जाते हैं और पर्यावरण व स्वास्थ्य के लिए हानिकारक माने जाते हैं।

आईआईटी रुड़की के शोधकर्ताओं ने बहु–पोषक नैनोफॉस्फेट कण विकसित किए हैं, जो सूक्ष्म पोषक भंडार के रूप में कार्य करते हैं। ये कण जीवाणुओं की आवश्यकता के अनुसार फॉस्फोरस, मैग्नीशियम, कैल्शियम और अन्य आवश्यक तत्व धीरे–धीरे उपलब्ध कराते हैं। इसके परिणामस्वरूप तीन घंटे के भीतर फ़्थेलेट्स का लगभग पूर्ण निष्कासन संभव हो पाया। शोधकर्ताओं के अनुसार यह तकनीक नल जल, नदी जल और अपशिष्ट जल जैसे विभिन्न जल नमूनों में सफल रही है।

शोध दल का मानना है कि इस तकनीक को अन्य प्रदूषकों के उपचार में भी इस्तेमाल किया जा सकता है, जिससे जल और मृदा शोधन के क्षेत्र में नई संभावनाएं खुलेंगी। आकाशवाणी समाचार, देहरादून

मौसम अपडेट

हरिद्वार और उधमसिंहनगर ज़िले में आज शीत दिवस की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग के अनुसार इन ज़िलों में शीत दिवस की स्थिति के चलते दिन के तापमान में गिरावट दर्ज की जा सकती है। मौसम विज्ञान केंद्र देहरादून के पूर्वानुमान के मुताबिक आज प्रदेश के सभी ज़िलों में मौसम शुष्क रहने की संभावना है। हालांकि मैदानी क्षेत्रों में घने कोहरे का असर बना रह सकता है। हरिद्वार, उधम सिंह नगर के साथ–साथ नैनीताल, चंपावत, पौड़ी और देहरादून के मैदानी इलाकों में कहीं–कहीं घना कोहरा छाने की संभावना जताई गई है, जिससे सुबह और रात के समय दृश्यता प्रभावित हो सकती है।

पर्वतीय क्षेत्रों में कहीं–कहीं पाला पड़ने की भी संभावना है। मौसम विभाग ने बताया है कि अगले दो–तीन दिनों में न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं होगा, लेकिन पहाड़ी घाटियों में हल्के से मध्यम स्तर का कोहरा बना रह सकता है। आने वाले दिनों में 16 जनवरी से उत्तरकाशी, चमोली और पिथौरागढ़ के अधिक ऊंचाई वाले इलाकों में बहुत हल्की बारिश या बर्फबारी की संभावना भी जताई गई है।